

विषयः यो जारावि मवार मुख

प्रशासिक की समाप्त केंग्रा एक 1,12,500%

TO 11,24,838.66

256867

Fat 6,55,755/~

ुन्दरमञ्जूष्ट दुस्तात

शुंध समर मध्य ३५५/१ रज्य

Town .



Burn

119

















बलार प्रदेश CITAR PRADESH

र मध्य में इंबर्ड - अनेतर

6. 81円子 東京中央 - 0.506 80元0円

्र एक प्रकार का कार्य का अनुसार के अपना का स्थाप स्थाप 200 जीवर से अधिक

260

माम्यका अक्टान्स - अक्टान्स

मेरो स रेक्टन - अर्थ ६० नहीं के

अधिक पूर्वा अन्त — पूर्व में नहीं है ।

<u>ीक्ट्र</u>ये जारा २० ३५४८८

क्यार हमारोह

वंदेण । अध्य मूक्त अध्य ३०७, ३०४

कृष्ट । জন্ম এ০.563, 357, 361, 360, 357, 310

लीक्षम । असरा रोठ-101, 402, साथ, 804, 415









बलार प्रदेश UTTAR PRADESH

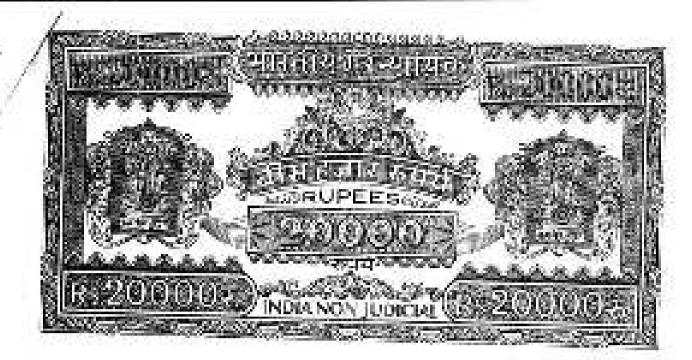
प्रधान पर को संक्रमा- ३ भिकेत के चित्रस्थ	ः दिनीय गरा विविधित्या । जेता था विवरण
 इस्टान प्रसाद ३. मुद्देश पुत्रवण दुवादीन निवासीयन प्राम पुरुष्यकत्ता पूर्वदेश प्रसाद निवरीय, तहसीत व जिला तहस्तातः। 	गमतकान पुत्र श्रीपाल कोरी निवासी हाम मिलोटूर भिटारी पीप्र नक्तीय तल्लीह व जिला फतेलपुर
व्यवसाय- कृषि	कवलर- धूर्व

यह विकास विकास १. इन्यूल प्रसाद ३. सुदेश पुत्रकण दुर्गादीन विद्यासीराण प्राप्त पुत्रकारतगर पुत्रका, पर्यन किन्नीन, प्रशास व विकास









वत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

165664

नवायक विन्ते आगे विक्रेश कहा उत्ता है अन् रामसाक्ष्य देन जीवास कारी निवासी पाम विक्रियुट विद्यारी भेंध समर्गाव, राहसील व जिला प्रतिकृत निवास क्षेत्र अपने केता कहा का है के एक निव्यक्ति किया गया ।

पत कि विकेशा पूर्ति वास्ता भाष्य 35671 क्या 3 506 अव्हेंडर, ऐया अर सुनक्ष्मताम प्रथम, क्या क्रिकीर, क्योश व विद्या स्वयंत्र का नामक स्थान व काकेश है नहां उपरोगत मत्यांगा परवार्षिक असीनों सम् संख्यों 00232 के अनुवार मूमि जिलेशा का यान भूमियर के ख्या में उन्ने हैं और विकेश के नाम का अनश बरामद राज्य अभिशेखों में हो एक्ष हैं.









उलार प्रदेश UTTAR PRADESH

165663

विकेश अपना माणून केला केटा को इस विकार विकेश किया केटी कर उस है विकेश उपनेता सम्पूर्ण मूर्ति के गाराक, अभिन्न व कांद्रज है पूर कर्मान समय ने इक भूषि कृति मूर्ति है और उपर भूति गराका भूति यह किया नहीं है। यह कि विकेश का बंधित करते हैं कि उपनेवा बन्धा भूति अभी प्रवार के भारी से तुन्दर पर पात्र के तथा किया में प्रति है कि वा विकार में क्या पूर्ण कर्म करा, किया, किसी वा अनुमानक इस्तादि नहीं विकार है। प्रदेश में उसने पूर्ण करा किया, किसी वा अनुमानक इस्तादि नहीं विकार है। प्रदेश क्या पूर्ण पर अभि क्या पा अन्य प्रवार का कोई करा नहीं किया है। प्रदेश कोई ऐसा अन परिषय में निकरता है ही उसके विकार विकार के अभी









एक हजार रुपये

₹:1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

कता प्रदेश UTTAR PRADESH

8 279419

विशेष न्यापारच पा प्रश्वामी ज्यापाची के कारणेन पिकार कर परमु विश्व नहीं है, या है कुई इस्पाँद है। किरोस से जाताना उच्च मूनि में विशेष अन्य व्यक्ति का रचन, इस पा श्रम इस्पाँद नहीं है, वह विश्वाम की उन्ना विश्वय अन्तरण करने पर इस अध्याद प्राप्त है। करामा उपयोग्न सम्पत्ति की मानव्यक्ति हिल्ल मुख्य कर 13,24,838/- के बहेग्यम में लिएका उपयोग्न केना छन। विश्वेश को इस विश्वय के उन्ना में यो यह अनुसूर्य में बाँग्य विश्व के अनुसार कुनतम कर दिया गया है कम में यो यह अनुसूर्य में बाँग्य विश्वय कर विश्वय पर विश्वय के उन्ना में यो यह अनुसूर्य में बाँग्य विश्वय करते हैं। विश्वय करते हैं के अनुसार उन्ना विश्वय विश्वय के उन्ना में अनुसूर्य के अनुस्त विश्वय करते हैं, विश्वय दिया इस विश्वय विश्वय के उन्ना में अनुसूर्य के अनुस्त विश्वय विश्वय किरोस के उन्ना में अनुसूर्य के अनुस्त विश्वय किरोस करते हैं, विश्वय









क्लर प्रवेश UTTAR PRADESH

B 279418

कर्म, मेर विवा है, एवं विश्वेत में विद्यानुष्ट भूमि का मीने पर करना देशा की कर्मुदी परा विधा गाम है। जान दक्त आगर्म स्म विका तथा उनके परिसान के बोद अधिकार नहीं है। विश्वेत में विकायनुष्ट सम्पर्धि की नामी स्विमित्र के समस्य अधिकारों के लाव पूर्णत्या न इसेशा के लिए केता की इस्तान्तिक कर दिया है। कर केता विकायनुष्ट सम्पर्धि एवं उसके प्रदेश काम की अन्ते समान स्विमाय के अधिकार व करने में सम्पर्धन की सम ने बारक की अस्त्रेय के कर्मन करने कोती। विकास के पार्ट्स प्राप्त करने किया प्रदेश की अस्त्रेय काम नहीं काम सकते। इस स्वांत के स्वांत्रिक में बुद्धि के कर्मन शा

365

400 E.

R\$ 500

(१८ का) अने भारतन

पाच स्नारूपये 🕸 FIVE HUNDRED RUPEES

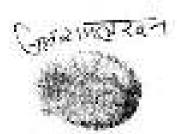


कानुनी अहमन म उन्हों हुटि के सार होती या उसने नहिमान निष्णप्रकरण इन्नाहि के बच्चे या अधिकार प्रास्त्रण से निकल आहे हो होता उसके बरिमान, निष्णप्रकरण इत्यदि को यह इस क्षेप कि यह अपना समस्त नुस्तान मण हुन न अर्था, विकेश की नह अबह सम्पत्ति से अर्थहर बहुत जर ही उस दिवति में निकेश एवं उसके प्रतितान बता ह हाथां देने देश बद्धा होगा।

एक कि विकेश पर भी बीचित करता है कि उपत भूनि लखन्छ। विकास अविकास तकनाक तथा ३८४० आसार एवं विकास परिवर, लखनाक







तथा अन्य किसी भी प्रश्वनी अवद्या के सदावारी संस्था दाना आधिकहीत नहीं को गयी है और न ही प्राथमित है ।

वह कि खेल किन्नवहुष एम्पन्ति को द्यांशन आर्टिंग एक्टन अभिनेत्रों में अपने नाम वर्ग करा ले हो दिखेला को कीई आपक्ति न होती और पर कि इस किन्नव दिलेश के दूर्व का आप कोई बच्चमा किसी तरह का भार इस सन्पति पर होगा हो उसकी विकेशा भूग्याल न नहन गरेंगे, विकेश को कीई आपक्ति न होगें।

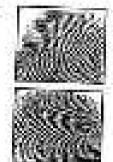
लिक्षण यह निरूप पत्र विकेश में केला के पश्च में लिए दिया शक्ति सक्त को और आवश्यकता पहुने पर काम अलि ।

प्राप्तकः कृततन विवरण

পিউন কাজে 5,00,000 মহা বিদ উচ্বা-135^{3,3,2} হিচাপিন
20,00,200 শ্রেমণ নিমান হৈছে নেম্যাল স্থানক উলা বা প্রাথ
করে।



The same of the sa



या के बीलनाव स्य निवन्धक (प्रथम) व्यक्तक व्यक्तक



1311 - NOTET (Si m)

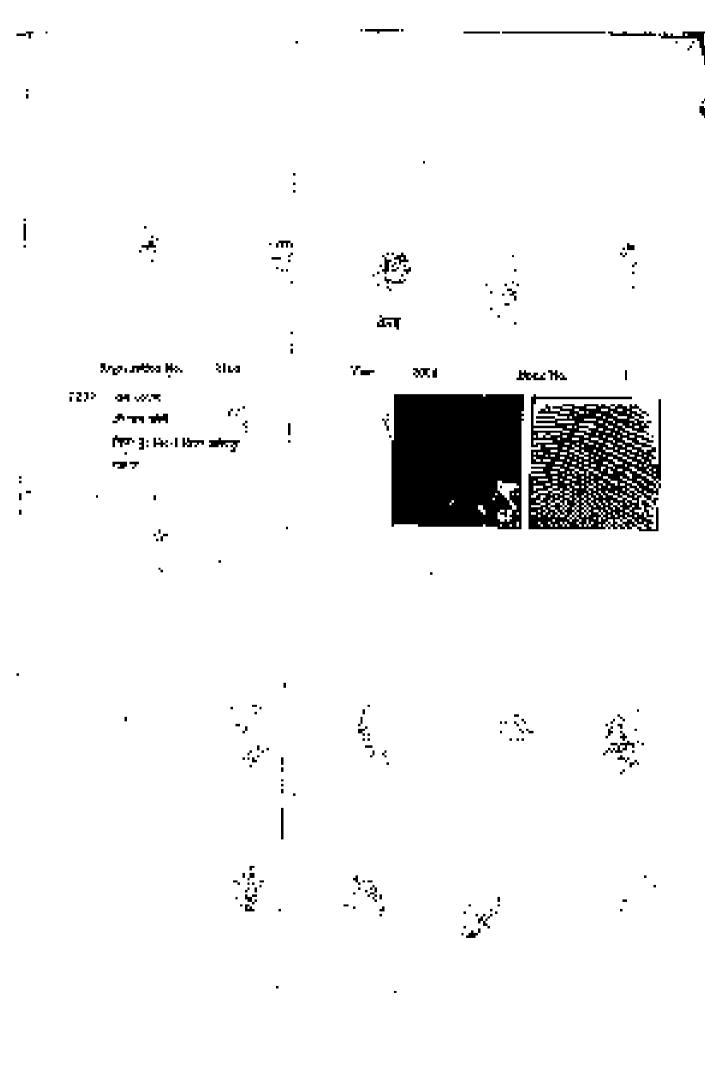
Regionation No. 8306

Control of the Section of the Sectio

0100 9/m 1 pin/h _money - Feder Robe spores trans Peters
Vene: 1204. Read No.

रजिस्ट्रेशन अधि० 1908 की धारा - 32 ५० के अनुपालन हेतु. बारी ताल भरी अंगुलियों के फिल् सहिते होय भी अमुशिकों के विन्ह :-बाद्य क्षक की की अभुतियों के विक :-वाहित होता से अंगुनियों के बिन्ह -

विद्याता/होंज़ों के हस्ताकार



रिजिस्ट्रेशन अक्षिए 1908 की धारा - 32 ५० के अनुपातन हेतु, फिंशर्स प्रिन्टर्स SEEE गये होन की अंगुनियों के सिक् 🗵 यकि लंब की अमुस्तित के एक :-बाबे हास की, भी अंतुलियों से दिन्ह :--वारिने संध के अंगुलियों के दिन्ह :--

विक्रीता/लेका के इस्ताबहर

ান বিজ্ঞান <u>ইর্মেশ্র গোলের</u> ন্ ক^{িন্তু} টু বিজ্ঞান <u>ইন্</u>মিস্তু বুজুক্ত এই ত<u>া আ</u> সম্বর্জন <u>স্থানত</u> বিভিন্ন ক্ষেত্র ।

> ्र के शिक्तार सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः